वरिष्ठ सहायकों के विकल्प/अनुरोध/प्रत्योवदन पत्रों का विवरण

क्र0 सं0	कार्यालय का नाम	कार्मिक का नाम	स्थानान्तरण चाहने हेतु विकल्प										अभियुक्ति
			1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
1	शि0मा0 केन्द्र, हल्द्वानी	कु0 मनीषा पन्त	जिसेका बागेश्वर	शिमाके बागेश्वर	जिसेका पिथौरागढ़	शिमाके पिथौरागढ़	शिमाके चम्पावत	जिसेका चम्पावत	शिमाके कालसी				अनुरोध/ प्रत्यावेदन संलग्न है
2	जिला सेवा कार्यालय, ऊधमसिंहनगर	श्री सुरेश पाठक	शिमाके बागेश्वर	जिसेका बागेश्वर	जिसेका पिथौरागढ़	शिमाके पिथौरागढ़	जिसेका चम्पावत	शिमाके चम्पावत	शिमाके धारचूला	क्षेसेका लैंसडौन	क्षेसेका लैंसडौन	विसेका कालसी	
3	सेवायोजन निदेशालय, हल्द्वानी	श्री राजेश कुमार सिंह भाकुनी	विकल्प अप्राप्त										अनुरोध/ प्रत्यावेदन संलग्न है
4	सेवायोजन निदेशालय, हल्द्वानी	श्री नवीन भट्ट	विकल्प अप्राप्त										अनुरोध/ प्रत्यावेदन संलग्न है
5	सेवायोजन निदेशालय, हल्द्वानी	श्रीमती यामिनी त्रिपाठी	जिसेका चम्पावत	जिसेका बागेश्वर	जिसेका उत्तरकाशी	क्षेसेका लैंसडौन	जिसेका रूद्रप्रयाग	जिसेका चमोली	शिमाके उत्तरकाशी	शिमाके चम्पावत	शिमाके गोपेश्वर	शिमाके कालसी	
6	क्षेत्रीय सेवा0 कार्यालय, अल्मोड़ा	श्री भुवनेश काण्डपाल	शिमाके पिथौरागढ़	शिमाके बागेश्वर	जिसेका पिथौरागढ़	जिसेका बागेश्वर	शिमाके धारचूला	जिसेका नैनीताल	नसेका हल्द्वानी	शिमाके हल्द्वानी	शिमाके चम्पावत	शिमाके अल्मोड़ा	
7	नगर सेवा कार्यालय, काशीपुर	श्री पाकेश सिंह	क्षेसेका लैंसडौन	जिसेका चम्पावत	शिमाके चम्पावत	जिसेका बागेश्वर	शिमाके बागेश्वर	जिसेका पिथौरागढ़	नसेका पौडी	विसेका कालसी	जिसेका रूद्रप्रयाग	शिमाके कालसी	
8	नगर सेवा कार्यालय, रानीखेत	श्री विजय सिंह नेगी	शिमाके बागेश्वर	जिसका बागेश्वर	शिमाके चम्पावत	जिसेका चम्पावत	जिसेका पिथौरागढ़	क्षेसेका लैंसडौन	क्षेसेका लैंसडौन	विसेका कालसी	शिमाके कालसी	जिसेका गोपेश्वर	अनुरोध/ प्रत्यावेदन संलग्न है
9	नगर सेवा कार्यालय,पौड़ी	श्री शिवराज चंद्र	नसेका पौड़ी	क्षेसेका लैंसडौन	यूईबी श्रीनगर	शिमाके कोटद्वार	जिसेका रूद्रप्रयाग	जिसेका टिहरी	जिसेका चमोली	जिसेका हरिद्वार	क्षेसेका देहरादून	विसेका कालसी	अनुरोध/ प्रत्यावेदन संलग्न है
10	जिला सेवा कार्यालय, रूद्रप्रयाग	श्री नीलकंठ जोशी	शिमाके रूद्रप्रयाग	क्षेसेका देहरादून	शिमाके देहरादून	प्रवर्तन देहरादून	शिमाके कालसी	विसेका कालसी	जिसेका हरिद्वार	शिमाके हरिद्वार	नसेका पौड़ी	क्षेसेका लैंसडौन	अनुरोध/ प्रत्यावेदन संलग्न है
11	जिला सेवा कार्यालय, पिथौरागढ़	श्री नवीन महर	शिमाके पिथौरागढ़	शिमाके चम्पावत	जिसेका चम्पावत	शिमाके हल्द्वानी	नसेका हल्द्वानी	निदेशालय हल्द्वानी	क्षेसेका अल्मोड़ा	नसेका रामनगर	शिमाके दिनेशपुर	शिमाके खटीमा	अनुरोध/ प्रत्यावेदन संलग्न है
12	जिला सेवा कार्यालय, चम्पावत	श्री सुरेश कुमार आर्य	निदेशालय हल्द्वानी	नसेका हल्द्वानी	शिमाके हल्द्वानी	शिमाके दिनेशपुर	जिसेका उधमसिंह नगर	नसेका काशीपुर	नसेका रामनगर	यूईबी रूड़की	प्रर्वतन देहरादून	शिमाके दूहरादून	अनुरोध/ प्रत्यावेदन संलग्न है
13	जिला सेवा कार्यालय, बागेश्वर	श्री हेमन्त कुमार पाण्डेय	जिसेका बागेश्वर	शिमाके बागेश्वर	क्षेसेका अल्मोड़ा	जिसेका नैनीताल	नसेका हल्द्वानी	निदेशालय हल्द्वानी	शिमाके हल्द्वानी	जिसेका उधमसिंह नगर	जिसेका हरिद्वार	क्षेसेका देहरादून	अनुरोध/ प्रत्यावेदन संलग्न है
14	शि0मा0 केन्द्र, खटीमा	श्री पवन राणा	स्थानान्तरण हेतु जारी पात्रता सूची में स्थान नहीं है।										अनुरोध/ प्रत्यावेदन संलग्न है

(जे0 एस0 नागन्याल)
निदेशक

299
15/05/18

सेवा में,

निदेशक
सेवायोजन विभाग,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशलय
उत्तराखण्ड (हल्द्वानी)

विषय : वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम–2017 के अधीन स्थानान्तरण विकल्प के सम्बन्ध में प्रत्यावेदन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशलय पत्र संख्याः 06–07/डीटीईयू/ई–1/स्थाना0 अधि0–2018/स्थाना/2018–19 दिनांक 14 अप्रैल 2018 एवं पत्रः104/डीटीईयू/ई–1/स्था0अधि0/विकल्प पत्र/2018 दिनांक 20 अप्रैल 2018 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

उक्त पत्रों के माध्यम से वार्षिक स्थानान्तरण एक्ट के अधीन किये जाने वाले कार्मिको के स्थानान्तरण हेतु पात्रता कार्मिको की सूची एवं पात्र कार्मिकों द्वारा स्थानन्तरण हेतु विकल्प मांगे गये है।

तद्विषयक अवगत कराना है कि अधोहस्ताक्षरी की नियुक्ति तत्कालीन निदेशक महोदय के कार्यालय आदेश संख्याः 11728–26/डीटीईयू/कनि0लि0/नियु0/स्था0निदे0/2008 दिनांक 20 नवम्बर 2008 के अनुपालन में दिनांक 27 नवम्बर 2008 को **निदेशालय में सीधी भर्ती के रिक्त पर** पर हुई थी ।

सेवायोजन निदेशलय के लिपिक वर्ग के पदों को विभाग के अधीनस्थ कार्यालय के पदों से प्रारम्भ से अलग रखा गया है जिसकी पुष्टि निम्न बिन्दुओं से की जा सकती है

बिन्दु 1– वर्तमान में प्रभावी **30 नवम्बर 1981 की विभागीय लिपिक वर्ग सेवानियमावली–1981"** जिसके तहत विभाग के लिपिक वर्ग के कार्यो यथा नियुक्ति/स्थाईकरण/पदोन्नति आदि सेवा सम्बन्धी प्रकरणों का निस्तारण किया जा रहा है, के **भाग–एक सामान्य के 3(च) एवं (छ)** में क्षेत्र एवं निदेशलय(मुख्यालय) के लिपिक वर्ग के पदों का सृजन पृथक–पृथक किया गया है। उक्त नियमावली के परिशिष्ट **"क"** के अन्तर्गत पदों की संख्या भी अलग–अलग निर्धारित की गयी है।

बिन्दु 2– उत्तराखण्ड शासन के **शासनादेश 2605/औ0वि0/147–श्रम/2001, दिनांक 03 दिसम्बर 2001** द्वारा सृजित विभागीय ढॉचे एवं समय–समय पर जारी विभिन्न शासनादेशें के अन्तर्गत **सेवायोजन निदेशालय के मुख्यालय स्तर पर सृजित लिपिक वर्ग के पदो को पृथक से दर्शाया** गया है।

बिन्दु 3– उत्तराखण्ड शासन के **शासनादेश संख्याः 1190/VIII/12–33(सेवा)/2010, दिनांक 10 दिसम्बर 2012 एवं शासनादेश संख्याः 90/XXX(2)/2016–30(51)/15, दिनांक 27 जुलाई 2016** द्वारा लागू स्टाफिंग पैटर्न में भी **सेवायोजन निदेशालय के मुख्यालय स्तर पर लिपिक वर्ग के पदो को अधीनस्थ कार्यालय के लिपिकीय पदों से पृथक दर्शाया** गया है।

उक्त के साथ ही यह भी अवगत कराना है कि निदेशलय के कार्मिको के पदो को क्षेत्र के कार्यालय के पदों से पृथक रखने का मुख्य कारण यहा पर कार्य की प्रकृति हैं, जो कि अधीनस्थ कार्यालयों से पूर्णतया भिन्न व प्रकृति में विशेषज्ञता पर केन्द्रित है। जिसको दृष्टिगत रखते हुए शासन द्वारा समय–समय पर जारी **नियमावलियों एवं शासनादेशों द्वारा सेवायोजन निदेशालय के 11(ग्यारह) पदों को पृथक दर्शाया गया है।**

अतः महोदय से निवेदन है कि उक्त सभी तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए अधोहस्ताक्षरी **निदेशालय का कार्मिक है एवं निदेशालय के पदों पर नियुक्त रहने का पात्र है।** अतः महोदय से निवेदन है कि उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगति रखते हुए अधोहस्ताक्षरी का नाम स्थानान्तरण हेतु पात्रता सूची से हटाने की कृपा करें।

भवदीय,
15/05/18
(राजेश कुमार सिंह भाकुनी)
वरिष्ठ सहायक,
सेवायोजन निदेशलय, हल्द्वानी

सेवा में,

निदेशक
सेवायोजन विभाग,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय
उत्तराखण्ड (हल्द्वानी)

273
15/05/18

विषय : वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम–2017 के अधीन स्थानान्तरण विकल्प के सम्बन्ध में प्रत्यावेदन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशलय पत्र संख्याः 06–07/डीटीईयू/ई–1/स्थाना0 अधि0–2018/स्थाना/2018–19 दिनांक 14 अप्रैल 2018 एवं पत्रः104/डीटीईयू/ई–1/स्था0अधि0/विकल्प पत्र/2018 दिनांक 20 अप्रैल 2018 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

उक्त पत्रों के माध्यम से वार्षिक स्थानान्तरण एक्ट के अधीन किये जाने वाले कार्मिको के स्थानान्तरण हेतु पात्रता कार्मिको की सूची एवं पात्र कार्मिकों द्वारा स्थानन्तरण हेतु विकल्प मांगे गये है।

तद्विषयक अवगत कराना है कि अधोहस्ताक्षरी की नियुक्ति तत्कालीन निदेशक महोदय के कार्यालय आदेश संख्याः 11728–26/डीटीईयू/कनि0लि0/नियु0/स्था0निदे0/2008 दिनांक 20 नवम्बर 2008 के अनुपालन में दिनांक 27 नवम्बर 2008 को **निदेशालय में सीधी भर्ती के रिक्त पर** पर हुई थी ।

सेवायोजन निदेशलय के लिपिक वर्ग के पदों को विभाग के अधीनस्थ कार्यालय के पदों से प्रारम्भ से अलग रखा गया है जिसकी पुष्टि निम्न बिन्दुओं से की जा सकती है

बिन्दु 1– वर्तमान में प्रभावी **30 नवम्बर 1981 की विभागीय लिपिक वर्ग सेवानियमावली–1981"** जिसके तहत विभाग के लिपिक वर्ग के कार्यो यथा नियुक्ति/स्थाईकरण/पदोन्नति आदि सेवा सम्बन्धी प्रकरणों का निस्तारण किया जा रहा है, के **भाग–एक सामान्य के 3(च) एवं (छ)** में क्षेत्र एवं निदेशलय(मुख्यालय) के लिपिक वर्ग के पदों का सृजन पृथक–पृथक किया गया है। उक्त नियमावली के परिशिष्ट **"क"** के अन्तर्गत पदों की संख्या भी अलग–अलग निर्धारित की गयी है।

बिन्दु 2– उत्तराखण्ड शासन के **शासनादेश 2605/औ0वि0/147–श्रम/2001, दिनांक 03 दिसम्बर 2001** द्वारा सृजित विभागीय ढॉचे एवं समय–समय पर जारी विभिन्न शासनादेशें के अन्तर्गत **सेवायोजन निदेशालय के मुख्यालय स्तर पर सृजित लिपिक वर्ग के पदो को पृथक से दर्शाया** गया है।

बिन्दु 3– उत्तराखण्ड शासन के **शासनादेश संख्याः 1190/VIII/12–33(सेवा)/2010, दिनांक 10 दिसम्बर 2012 एवं शासनादेश संख्याः 90/XXX(2)/2016–30(51)/15, दिनांक 27 जुलाई 2016** द्वारा लागू स्टाफिंग पैटर्न में भी **सेवायोजन निदेशालय के मुख्यालय स्तर पर लिपिक वर्ग के पदो को अधीनस्थ कार्यालय के लिपिकीय पदों से पृथक दर्शाया** गया है।

उक्त के साथ ही यह भी अवगत कराना है कि निदेशलय के कार्मिको के पदो को क्षेत्र के कार्यालय के पदों से पृथक रखने का मुख्य कारण यहा पर कार्य की प्रकृति हैं, जो कि अधीनस्थ कार्यालयों से पूर्णतया भिन्न व प्रकृति में विशेषज्ञता पर केन्द्रित है। जिसको दृष्टिगत रखते हुए शासन द्वारा समय–समय पर जारी **नियमावलियों एवं शासनादेशों द्वारा सेवायोजन निदेशालय के 11(ग्यारह) पदों को पृथक दर्शाया गया है।**

अतः महोदय से निवेदन है कि उक्त सभी तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए अधोहस्ताक्षरी **निदेशालय का कार्मिक है एवं निदेशालय के पदों पर नियुक्त रहने का पात्र है।** अतः महोदय से निवेदन है कि उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगति रखते हुए अधोहस्ताक्षरी का नाम स्थानान्तरण हेतु पात्रता सूची से हटाने की कृपा करें।

भवदीय,
11/May/18
(नवीन चन्द्र भट्ट)
वरिष्ठ सहायक,
सेवायोजन निदेशलय, हल्द्वानी

सेवा में,

निदेशक,
सेवायोजन विभाग,
उत्तराखण्ड (नैनीताल)।

331
15/05/18

द्वारा :- उचित माध्यम।

विषयः- अनुरोध के आधार पर दुर्गम कार्यस्थल से दुर्गम कार्यस्थल में स्थानान्तरण हेतु आवेदन पत्र।

महोदय,

उपरोक्त विषयक निदेशक सेवायोजन, उत्तराखण्ड हल्द्वानी के पत्रांक 137-77/डीटीइंयू/ई-1/स्थाना0अधि0-2017/2018-19 दिनांक 28,अप्रैल,2018 के क्रम में अवगत कराना है कि मैं जिला सेवायोजन कार्यालय रुद्रप्रयाग में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत हूँ तथा मेरा कार्यालय दुर्गम क्षेत्र के अन्तर्गत आता है, और मेरा नाम दुर्गम क्षेत्र से सुगम क्षेत्र हेतु स्थानान्तरण हेतु प्रस्तावित है। अनिवार्य वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम 2017 में अनुरोध के आधार पर स्थानान्तरण धारा - 13,14,17(1)ख की धाराओं में धारा (छः) के अन्तर्गत दुर्गम कार्यस्थल (जिला सेवायोजन अधिकारी कार्यालय रुद्रप्रयाग) से दुर्गम कार्यस्थल (शिक्षण मार्ग दर्शन केन्द्र रुद्रप्रयाग) में स्थानान्तरण हेतु अनुरोध के आधार पर स्थानान्तरण चाहता हूँ।

महोदय मेरी माँ काफी बूढ़ी एवं बीमार है, जो मेरे साथ ही रहती है, जिसकी देखभाल करने हेतु मैं परिवार का एक मात्र अकेला सदस्य हूँ। पांच साल पूर्व मेरे भाई की एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गयी थी जिस कारण मेरे भाई के बच्चे भी मुझ पर आश्रित है। मेरी मा हृदय की बीमारी से भी गम्भीर रुप से पीड़ित है तथा उनकी दो वर्ष पूर्व हृदय की शल्य चिकित्सा करवाई गई है, वे बिस्तर में ही लेटी रहती है, तथा चलने फिरने में असमर्थ है, उन्हें समय-समय पर चिकित्सक के पास स्वास्थ्य परीक्षण हेतु ले जाना पड़ता है,जिस कारण मुझे उनकी देखभाल करने हेतु उनके पास ही रहने की आवश्यकता है। सुलभ साक्ष्य हेतु श्रीमती सुधा जोशी जो कि मेरी माता जी है के चिकित्सा से सम्बन्धित समस्त ओ0पी0डी0 के पर्चे एवं शल्य चिकित्सा के दस्तावेजों की छाया प्रति भी संलग्न कर रहा हूँ।

महोदय वर्तमान समय में मेरे स्थानान्तरण के पश्चात जिला सेवायोजन कार्यालय में लिपिक वर्गीय संवर्ग का मात्र एक ही स्थाई कार्मिक रह जायेगा। अभी तक मेरे द्वारा लेखा से सम्बन्धित सभी कार्य एवं जिला योजना,इ-डिस्ट्रिक्ट परियोजना तथा मासिक प्रगति सूचना जैसे महत्वपूर्ण कार्य किये जाते रहे है। शिक्षण मार्ग दर्शन केन्द्र रुद्रप्रयाग में कार्यरत वरिष्ठ सहायक की पदोन्नति के उपरान्त वरिष्ठ सहायक का पद रिक्त हो गया है तथा वर्तमान समय में शिक्षण मार्ग दर्शन केन्द्र में कोई भी स्थाई कार्मिक कार्यरत नही है। शिक्षण मार्ग दर्शन केन्द्र रुद्रप्रयाग का कार्यालय जो कि दुर्गम क्षेत्र में स्थित है वहा वरिष्ठ सहायक के रिक्त पद के सापेक्ष में स्थानान्तरण चाहता हूँ। यह भी अनुरोध करना है कि शिक्षण मार्ग दर्शन केन्द्र, में मात्र संविदा से चार अनुदेशक उपनल से तैनात है तथा अन्य पद रिक्त चल रहे है,जिससे संविदा अनुदेशकों के वेतन /मानदेय बिल, मासिक प्रगति सूचना एवं अन्य विभागीय कार्य बाधित होगा,शिक्षण मार्ग दर्शन केन्द्र में मेरी तैनाती होने से शिक्षण मार्ग दर्शन केन्द्र के कार्यो के साथ ही उचित आदेशानुसार जिला सेवायोजन अधिकारी कार्यालय के कार्यो के दायित्वों का निर्वहन भी मेरे द्वारा किया जा सकता है।

अतः महोदय मेरी उपरोक्त सभी परिस्थिति को देखते हुये मेरा स्थानान्तरण अनुरोध के आधार पर शिक्षण मार्ग दर्शन केन्द्र रुद्रप्रयाग अथवा जिला सेवायोजन कार्यालय रुद्रप्रयाग में ही करने का कष्ट करेंगे।

संलग्न :- उक्तानुसार

भवदीय,

(नीलकण्ठ जोशी)
वरिष्ठ सहायक
जिला सेवायोजन अधिकारी कार्यालय,
रुद्रप्रयाग।

238
11.5.16

[illegible]

श्रीमान् [illegible] महोदय,

[illegible],

[illegible] (नैनीताल)।

द्वारा– [illegible]।

विषय– अनुरोध के आधार पर स्थानान्तरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

[illegible] विद्यालय के पत्र संख्या 137 [illegible] 2017 [illegible] प्रहण करने की कृपा कीजिएगा। [illegible] भेजे गए हैं। महोदय उक्त के सम्बन्ध में निवेदन करना है कि प्रार्थी [illegible] में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत हैं। प्रार्थी की सुगम सेवा [illegible] वर्ष 10 माह 16 दिन [illegible] आते हैं एवं अन्य स्थानान्तरण एक्ट की पात्रता पूरी पा रहे हैं।

प्रार्थी वर्तमान में वरिष्ठ सहायक के पद पर प्रधान सहायक पद का वास्तविक कार्य कर रहा है। यदि स्थानान्तरण एक्ट के तहत किसी प्रधान सहायक की नियुक्ति/भविष्य में पदोन्नति [illegible] सम्बन्धित में की जाती है तो उस समय मेरे लिए नगर [illegible] कार्यालय [illegible] कोई भी रिक्त पद नहीं [illegible] होगा।

[illegible] शिक्षण एवं मार्गदर्शन केन्द्र, [illegible] में वरिष्ठ सहायक का पद रिक्त है [illegible] के अनुरोध पर शिक्षण एवं मार्गदर्शन केन्द्र [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

19 May 2020 12:14 PM

विकल्प–पत्र

सेवा में,

निदेशक,
सेवायोजन,
उत्तराखण्ड,हल्द्वानी।

विषयः– विकल्प सम्बन्धित ऐच्छिक स्थान का नाम।

क्रम सं0–

1. जिला सेवायोजन कार्यालय बागेश्वर। (**अनुरोध के आधार पर–** महोदय, कार्मिक के पाल्यों का वर्तमान कार्यस्थल में स्कूल में दाखिला हो चुका है। अतः महोदय से निवेदन है कि कार्मिक को वर्तमान कार्यस्थल दुर्गम पर ही सेवा करने हेतु अनुगृहीत करने की कृपा करें।)

2. शि0 मा0 के0 बागेश्वर। (**अनुरोध के आधार पर––तदैव––**)

3. क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, अल्मोड़ा।

4. जिला सेवायोजन कार्यालय, नैनीताल।

5. नगर सेवायोजन, हल्द्वानी।

6. निदेशालय हल्द्वानी,(नैनीताल)।

7. शि0 मा0 के0 हल्द्वानी।

8. जिला सेवायोजन कार्यालय, उधम सिंह नगर।

9. जिला सेवायोजन कार्यालय, हरिद्वार।

10. क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, देहरादून।

दिनॉकः–04.05.2018

कार्मिक के हस्ताक्षर

Pandey

नाम–हेमन्त कुमार पाण्डेय
पदनाम–वरि0 सहायक
तैनाती स्थान–बागेश्वर
मोबा0 न0–9411105643

9-5-18

सेवा में,

निदेशक सेवायोजन,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय,
उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।

द्वारा – क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी, कुमाऊ मण्डल, अल्मोड़ा
विषय– **अनिवार्य स्थानान्तरण हेतु पात्र कार्मिकों की सूची से नाम पृथक करने के सम्बन्ध में।**

महोदय,

महोदय सादर निवेदन है कि निदेशालय के पत्र संख्या 06–07 / डीटीईयू / ई–01 / स्थाना0अधि0–2018 / स्था0 / 2018–19 दिनांक 14 अप्रैल 2018 के द्वारा सुगम क्षेत्र से दुर्गम क्षेत्र हेतु पात्र वरिष्ठ सहायक की सूची में प्रार्थी का नाम दर्शाया गया है। इस सम्बन्ध में आपसे विनम्र निवेदन है कि प्रार्थिनी के पिता की मृत्यु पूर्व में हो चुकी है एवं अपने अभिभावकों की एकमात्र संतान होने के कारण मेरी माता के देखभाल का सम्पूर्ण दायित्व मेरा ही है। मेरी माता जी का स्वास्थ्य पिता जी के देहान्त के उपरान्त ठीक नहीं है क्योंकि वे अवसादग्रस्त (Depression), शुगर (Diabetes), डायबेटिक रेटिनोपेथी (Diabetic Retinopathy) व Leaky Heart Valve से पीड़ित हैं, इसके अलावा विगत वर्ष कंधे में मल्टीपल फैक्चर (Multiple Fracture) होने के कारण जटिल ऑपरेशन की प्रकिया से गुज़री हैं तथा एक वर्ष की फ़िजीयोथेरेपी (Physiotherapy) उपचार के उपरान्त भी वह दैनिक कार्यों के लिए शारीरिक रूप से पूर्णतया मुझ पर ही निर्भर हैं, एवं डॉ सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय हल्द्वानी से उपचार पर है जिस कारण अन्यत्र रहकर व माता जी को अकेला छोड़कर जाना मेरे लिये सम्भव नही हैं।

अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित गजट सं0 12 / XXXVI(3)/2018/20(1)/2017] देहरादून दिनांक 05 जनवरी 2018 के पैरा 3 के बिन्दू (घ) के अंतर्गत उल्लेखित बिमारी मानसिक रोग आदि से माता जी के ग्रस्त होने के कारण सहानुभूति पूर्वक विचार कर प्रार्थी को स्थानान्तरण में छूट देने का कष्ट करें।

संलग्न–उपरोक्तानुसार मेडिकल प्रपत्र की छायाप्रति ( )

भवदीय

(कु0 मनीषा पंत)
वरिष्ठ सहायक
शिक्षण एवं मार्ग दर्शन केन्द्र
हल्द्वानी।

अग्रिम प्रति– निदेशक, सेवायोजन, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी को प्रेषित।
दिनांक:19.04.2018

Manisha

(कु0 मनीषा पंत)
वरिष्ठ सहायक
शिक्षण एवं मार्ग दर्शन केन्द्र
हल्द्वानी।

CAO/ उप० नि०

2/4

II

सेवा में,

निदेशक,सेवायोजन
उत्तराखण्ड,हल्द्वानी (नैनीताल)।

292
15/5/18

द्वारा, उचित माध्यम,
सहायक सेवायोजन अधिकारी, शिक्षण एवं मार्गदर्शन केन्द्र,खटीमा,ऊधमसिंहनगर।

विशयः— स्वयं के अनुरोध पर सुगम क्षेत्र से सुगम क्षेत्र में स्थानान्तरण के संबंध में प्रत्यावेदन का प्रेषण।

महोदय,

उपरोक्त विषयक सादर निवेदन करना है कि मैं पवन राणा, शिक्षण मार्गदर्शन केन्द्र,खटीमा,ऊधमसिंहनगर में वरिष्ठ सहायक के पद पर दिनांक 23 अप्रैल,2017 से कार्यरत हूँ। महोदय को सादर अवगत कराना है कि मेरा बांया पांव वर्ष 2013 में एक दुर्घटना में टूट गया था,जिसमें अभी भी रॉड पड़ी हुई है,जिस कारणवश मुझे चलने फिरने में काफी परेशानी होती है। चिकित्सक से अपने पांव का परीक्षण कराने के पश्चात चिकित्सक के द्वारा मुझे अवगत कराया गया है,इसी वर्ष माह जून,2018 में मेरे पांव की रॉड बाहर निकाली जानी आवश्यक है। साथ ही महोदय को यह भी अवगत कराना है कि मेरी वर्तमान नियुक्ति मेरे गृह जनपद स्थल, विकास खण्ड एवं तहसील दोनों ही खटीमा हैं जो स्थानांतरण एक्ट के अनुसार मेरा गांव/हलका/तहसील सभी अभिप्रेत है।

अतः महोदय से विनम्र अनुरोध है कि मेरी शारीरिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए मेरा स्थानान्तरण जिला सेवायोजन कार्यालय,ऊधमसिहनगर में ही करने की कृपा करने का कष्ट करें,ताकि मैं ससमय रूद्रपुर में ही अपने पांव की रॉड बाहर निकलवा सकूँ।

इस हेतु प्रार्थी सदैव आपका आभारी रहेगा।

दिनांकः— 02—05—2018

प्रार्थी,
Pawan Rana 02-05-2018
(पवन राणा)
वरिष्ठ सहायक
शिक्षण एवं मार्गदर्शन केन्द्र,
खटीमा (ऊधमसिंहनगर)

प्रतिलिपिः— सहायक सेवायोजन अधिकारी,शिक्षण एवं मार्गदर्शन केन्द्र, खटीमा (ऊधमसिंहनगर) को आवश्यक कार्यवाही हेतु आवेदन पत्र तीन प्रतियों में (मूल में) प्रस्तुत।

(पवन राणा)
वरिष्ठ सहायक
शिक्षण एवं मार्गदर्शन केन्द्र,
खटीमा (ऊधमसिंहनगर)

234
11/5/18

सेवा में,

निदेशक,
सेवायोजन
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय,
उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी (नैनीताल)

विषयः **अनुरोध के आधार पर आवेदन पत्र।**

महोदय,

उपरोक्त विषयक निदेशालय के पत्रांकः– 137–77/डीटीईयू /ई–1 /स्थाना0 अधि0–2017/2018–19 दिनांक 28 अप्रैल 2018 के क्रम में सादर निवेदन है कि स्थानान्तरण एक्ट की धारा–17ख के बिन्दु संख्या छः के अनुसार दुर्गम कार्यस्थल से दुर्गम कार्यस्थल/क्षेत्र में स्थानान्तरण हेतु अनुरोध है। मैं अपने परिवार का जेष्ठ पुत्र हूँ एवं मेरा छोटा भाई जनपद पिथौरागढ़ के दूरस्थ स्थान पर कार्यरत है तथा कनिष्ठ भाई पड़ाई करने के लिये बाहर गया है। मेरे घर पर वृद्व माता पिता होने के कारण उनकी एवं पत्नी, बच्चे की पूर्ण जिम्मेदारी मेरे ऊपर है। मेरे माता पिता का स्वास्थ खराब रहता है तथा मेरे द्वारा मेरे पुत्र का पंजीकरण इस वर्ष ही स्कूल में किया गया है। यदि मेरे स्थानान्तरण हो जाता है तो मेरे घर परिवार एवं पुत्र के समक्ष कठिनाईया उत्पन्न हो जाती है।

महोदय, जिला सेवायोजन कार्यालय, पिथौरागढ़ के नियन्त्रणाधीन शिक्षण केन्द्र, पिथौरागढ़ में वरिष्ठ सहायक एवं भाषा अनुदेशक की पदोन्नति होने के फलस्वरूप वरिष्ठ सहायक का पद रिक्त होने के साथ साथ सहायक सेवायोजन अधिकारी के अतिरिक्त समस्त पद रिक्त चल रहे है। मात्र एक उपनल संविदा से कार्यरत आशुलिपि अनुदेशिका है जिस कारण मासिक प्रतिवेदन एवं शिक्षण केन्द्र के अन्य कार्य प्रभावित हो रहे है।

महोदय, स्थानान्तरण सत्र एवं मेरे द्वारा अनुरोध पर किये गये विचार पर प्राथमिकता के आधार पर मेरा स्थानान्तरण (दुर्गम से दुर्गम) जिला सेवायोजन कार्यालय, पिथौरागढ़ से शिक्षण मार्ग निर्देशन केन्द्र, पिथौरागढ़ में रिक्त चल रहे वरिष्ठ सहायक के पद पर करने की महति कृपा करें। जिससे मेरे परिवार के समक्ष कठिनाईया उत्पन्न न हो सके, उनकी देख रेख कर सकूं, एवं मेरी कार्य छमता भी प्रभावित न हो सकें। मैं आपका आजन्म आभारी रहूगॉ।

दिनांक 01 मई 2018

प्रार्थी

(नवीन सिंह महर)
वरिष्ठ सहायक
जिला सेवायोजन कार्यालय,
पिथौरागढ़।

AD/CEO/PKO

15/06/18

240
15/05/18

सेवा मे,

जिला सेवायोजन अधिकारी,
चम्पावत।

विषय : अनुरोध के आधार पर आवेदन आंमत्रण।

महोदय,

विनम्र निवेदन इस प्रकार है कि प्रार्थी की माता जी को लीवर, हार्ट व न्यूरो का गंभीर रोग है। पुत्र को बॉडकास्टिक जिनकी चिकित्सा हेतु प्रार्थी का परिवार लखनऊ में निवास कर रहा है। चम्पावत अति दूरस्त होने के कारण प्रार्थी द्वारा अपने परिवार के देख-रेख नही हो पा रही है। चम्पावत मे ठण्ड के कारण वर्तमान मे प्रार्थी को भी न्यूरो (नसो सम्बन्धी रोग) की समस्या हो गयी है। जो आगे चल कर गम्भीर रोग का रुप ले सकती है।

अतः महोदय से प्रार्थना है कि उक्त स्थिती को देखते हुए प्रार्थी को निदेशालय, सेवायोजन, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी (नैनीताल) के पत्रांक :104/डीटीईयू/ई-1/स्था0अधि0/विकल्प पत्र/2018 दिनांक :20 अप्रैल, 2018 द्वारा मांगे गये विकल्प सम्बन्धित ऐच्छिक स्थानो के नाम जो इस कार्यालय के पत्रांक :458-59/0901/स्थाना0अधि0/विकल्प पत्र/2018 दिनांक :23 अप्रैल, 2018 में अंकित प्रारम्भ के छः स्थानो के नाम जो निम्न है।

1-निदेशालय हल्द्वानी (नैनीताल)।
2- नगर सेवायोजन कार्यालय, हल्द्वानी।
3-शिक्षण एवं मार्ग दर्शन केन्द्र, हल्द्वानी।
3-शिक्षण एवं मार्ग दर्शन केन्द्र, दिनेशपुर।
5-जिला सेवायोजन कार्यालय, ऊधमसिंह नगर।
6-नगर सेवायोजन कार्यालय, काशीपुर

उक्त स्थानों में से एक स्थान पर प्रार्थी का स्थानान्तरण करने की कृपा करे। प्रार्थी द्वारा दुर्गम क्षेत्र में 11 वर्ष, 01 माह, 14 दिन की सेवा (स्थानान्तरण एक्ट की धारा 20-ख के अनुसार 1.25 से गुणा करते हुए आगणित किया गया है) होने के कारण प्रार्थी दुर्गम से सुगम हेतु पात्र भी है।

भवदीय,

(सुरेश कुमार आर्य)
वरिष्ठ सहायक
जिला सेवायोजन कार्यालय,
चम्पावत।

9.5.18

II

242
11/5/18

सेवा में,

निदेशक,
सेवायोजन विभाग,
उत्तराखण्ड़ हल्द्वानी (नैनीताल) ।

द्वारा:– उचित माध्यम ।

विषय:– **अनुरोध के आधार पर आवेदन आमंत्रण–पत्र ।**

महोदय,

उपरोक्त विषयक, निदेशालय पत्र संख्या 137–77/डीटीईयू/ई–1/स्थाना0/अधि0 –2017/2018–19 दिनांक: 28 अप्रैल 2018 के क्रम में, अधिकारी/कार्मिकों से वर्ष 2018 हेतु अनिवार्य स्थान्तरण के सम्बन्ध में, सुगम से दुर्गम/दुर्गम से सुगम/दुर्गम से दुर्गम, में स्थान्तरण चाहने बावत् अनुरोध पत्र मांगे गये थे, के क्रम में निवेदन करना है कि, प्रार्थी की वर्तमान तैनाती, नगर सेवायोजन कार्यालय, पौड़ी (दुर्गम) में वरिष्ठ सहायक, के पद पर है, तथा प्रार्थी की दुर्गम में कुल सेवा गणना के आधार पर 12 वर्ष 04 माह हो गयी है।

महोदय, मेरे पिता की मृत्यु कुछ वर्ष पहले हो गयी है, तथा माताजी मेरे साथ रहती है, उनका स्वास्थ्य भी अस्वस्थ रहता है। यदि प्रार्थी का स्थानान्तरण जनपद के इतर किया जाता है तो प्रार्थी को माताजी की देखभाल करने में कठिनाई उत्पन्न हो जाएगी।

महोदय, उत्तराखण्ड़ लोक सेवकों के वार्षिक स्थानान्तरण विधेयक 2017 के पेरा 13 (2) एवम् पेरा 17 (ख) में दिये गये प्राविधानों के अनुसार दुर्गम से दुर्गम में अनुरोध के आधार प्रार्थी को नगर सेवायोजन कार्यालय, पौड़ी, में यथावत् बनाये रखने की कृपा करें। यदि आवश्यक हो तो प्रार्थी का स्थानान्तरण दुर्गम से दुर्गम में नगर सेवायोजन कार्यालय, पौड़ी से क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय लैन्सडाउन में रिक्त पर पर करने की कृपा करें।

दिनांक: 04.05.2017

प्रार्थी

(शिवराज चन्द्र)
वरिष्ठ सहायक
नगर सेवायोजन कार्यालय,
पौड़ी (गढवाल)

II

सेवा में,

निदेशक,सेवायोजन
उत्तराखण्ड,हल्द्वानी (नैनीताल)।

292
15/5/18

द्वारा, उचित माध्यम,
सहायक सेवायोजन अधिकारी, शिक्षण एवं मार्गदर्शन केन्द्र,खटीमा,ऊधमसिंहनगर।

विशयः— स्वयं के अनुरोध पर सुगम क्षेत्र से सुगम क्षेत्र में स्थानान्तरण के संबंध में प्रत्यावेदन का प्रेषण।

महोदय,

उपरोक्त विषयक सादर निवेदन करना है कि मैं पवन राणा, शिक्षण मार्गदर्शन केन्द्र,खटीमा,ऊधमसिंहनगर में वरिष्ठ सहायक के पद पर दिनांक 23 अप्रैल,2017 से कार्यरत हूँ। महोदय को सादर अवगत कराना है कि मेरा बांया पांव वर्ष 2013 में एक दुर्घटना में टूट गया था,जिसमें अभी भी रॉड पड़ी हुई है,जिस कारणवश मुझे चलने फिरने में काफी परेशानी होती है। चिकित्सक से अपने पांव का परीक्षण कराने के पश्चात चिकित्सक के द्वारा मुझे अवगत कराया गया है,इसी वर्ष माह जून,2018 में मेरे पांव की रॉड बाहर निकाली जानी आवश्यक है। साथ ही महोदय को यह भी अवगत कराना है कि मेरी वर्तमान नियुक्ति मेरे गृह जनपद स्थल, विकास खण्ड एवं तहसील दोनों ही खटीमा हैं जो स्थानांतरण एक्ट के अनुसार मेरा गांव/हलका/तहसील सभी अभिप्रेत है।

अतः महोदय से विनम्र अनुरोध है कि मेरी शारीरिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए मेरा स्थानान्तरण जिला सेवायोजन कार्यालय,ऊधमसिहनगर में ही करने की कृपा करने का कष्ट करें,ताकि मैं ससमय रूद्रपुर में ही अपने पांव की रॉड बाहर निकलवा सकूँ।

इस हेतु प्रार्थी सदैव आपका आभारी रहेगा।

दिनांकः— 02—05—2018

प्रार्थी,
Pawan Rana 02-05-2018
(पवन राणा)
वरिष्ठ सहायक
शिक्षण एवं मार्गदर्शन केन्द्र,
खटीमा (ऊधमसिंहनगर)

प्रतिलिपिः— सहायक सेवायोजन अधिकारी,शिक्षण एवं मार्गदर्शन केन्द्र, खटीमा (ऊधमसिंहनगर) को आवश्यक कार्यवाही हेतु आवेदन पत्र तीन प्रतियों में (मूल में) प्रस्तुत।

(पवन राणा)
वरिष्ठ सहायक
शिक्षण एवं मार्गदर्शन केन्द्र,
खटीमा (ऊधमसिंहनगर)